राँची महिला महाविद्यालय, राँची

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा

2018

रूचि आधारित साख पद्धति (CBCS)

पर आधारित

त्रि–वर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग,

राँची महिला महाविद्यालय, राँची

Department of Tribal & Regional Languages

A Meeting of Board of Studies

Date : 24.03.2018

A meeting of Board of Studies was held in the Department of Tribal Regional Languages, Ranchi Women's College on 24-03-2018 at 11:00 am. Agenda of meeting- To Introduce and review the new syllabus for the U.G. Course in Tribal & Regional Language under the Ranchi University, regulations for Choice based credit system (CBCS) and continuous Assessment grading pattern (CAGP) from the Academic Year -2018.

Resolution – UG Syllabus of TRL under CBCS has been approved.

Following members of the Board of Studies were present in the meeting

1.	Chairperson	: Kumari Shashi	Shashi 24.03.18
2.	University Nominee	: Dr. Giridhar Ram Gaunjhu	गि.रा.गौंझू 25-3-2018
3.	Subject Expert (P.G. H.O.D.)	: Tribeni Nath Sahu	24/03/18
4.	Subject Expert	: Binod Kumar	24/3/18
5.	Faculty Member	: Dr. Geeta Kumari Singh	GSingh 24.3.18
6.	Faculty Member	: Dr. Sabita Keshari	– Sabita Keshari 24.3.18
7.	Faculty Member	: Amita Munda	AMunda 24-3-18
8.	Faculty Member	: Mary S. Soreng	– Mary S. Soreng 24.3.18
9.	Member Almini	:	
10.	Student Member	:	Namita Purnam 24/3/18

पाठ्यक्रम समिति के सदस्यगण

1. डॉ. त्रिवेणी नाथ साहू - अध्यक्ष
2. डॉ. हरि उराँव - संयोजक

मुण्डारी

1. प्रो. तुलसी नारायण सिंह मुण्डा
2. प्रो. अमिता मुण्डा
3. डॉ. अजीत मुण्डा

संताली

1. डॉ. के.सी. टुडू

हो

1. डॉ. सरस्वती गागराई
2. जय किशोर मंगल
3. डॉ. प्रदीप कुमार बोदरा
4. लाल सिंह बोयपाई
5. विष्णु पुरती

खड़िया

1. प्रो. मेरी. एस. सोरेंग
2. चन्द्र किशोर केरकेट्टा

कुँड़ुख

1. डॉ. हरि उराँव
2. डॉ नारायण भगत
3. डॉ. राम किशोर भगत
4. प्रो. महेश भगत

नागपुरी

1. प्रो. (डॉ.)गिरिधारी राम गौंझू, पूर्व विभागाध्यक्ष, ज.जा. एवं क्षे. भाषा विभाग
2. डॉ. उमेश नन्द तिवारी
3. डॉ. खालिक अहमद

कुरमाली

1. डॉ. एच.एन. सिंह
2. डॉ. अशोक कुमार महतो Ashok Kumar Mahto

पंचपरगनिया

1. प्रो. दीनबंधु महतो Dinbandhu Mahto
2. डॉ. सविता कुमारी मुण्डा Sabita Kumari Munda
3. दिनेश प्रसाद सिंह Dinesh Prasad Singh

खोरठा

1. प्रो. (डॉ.) बिनोद कुमार
2. प्रो. दिनेश कुमार 'दिनमणि'

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग

राँची विश्वविद्यालय, राँची।

रूचि आधारित साख पद्धति (CBCS) पर आधारित

त्रि-वर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम की रूपरेखा।

Semester	Core Courses (CC) - 14	Ability Enhancement Compulsory Course (AECC) - 2	Skill Enhancement Course (SEC) - 2	Discipline Specific Elective Course (DSEC) - 4	Elective Generic Course (GEC) - 4
1	CC- 1	English Communication/ MIL/Environment Science			GE- 1
	CC-2				
2	CC-3	English Communication/ MIL/Environment Science			GE- 2
	CC-4				
3	CC- 5		SEC- 1		GE- 3
	CC- 6				
	CC- 7				
4	CC- 8		SEC- 2		GE-4
	CC- 9				
	CC- 10				
5	CC-11			DSEC- 1	
	CC- 12			DSEC- 2	
6	CC-13			DSEC- 3	
	CC- 14			DSEC- 4	

Semester wise distribution of 140 Credits

Semester	C.C	AECC	SEC	DSEC	GEC	Total Credits
1	6+6=12	02			06	20
2	6+6=12	02			06	20
3	6+6+6=18		02		06	26
4	6+6+6=18		02		06	26
5	6+6=12			6+6=12		24
6	6+6=12			6+6=12		24
	84	**04**	04	**24**	**24**	**140**

CC=Core Course, **AECC**=Ability Enhancement Compulsory Course, **SEC**=Skill Enhancement Course, **DSEC**=Discipline Specific Elective Course, **GEC**= Elective Generic Course

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा

राँची विश्वविद्यालय, राँची।

रूचि आधारित साख पद्धति (CBCS) पर आधारित

त्रि-वर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम की रूपरेखा।

सेमस्टर -1

प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम

Core Course (CC-1)

अंक विभाजन :-	पूर्णांक (70+30) = 100
वस्तुनिष्ठ प्रश्न -	10 X 2 = 20
लघु उत्तरीय/ व्याख्यात्मक प्रश्न -	04 X 5 = 20
आलोचनात्मक प्रश्न -	10 X 3 = 30
कुल अंक	70
आंतरिक मूल्यांकन (10+10+10)	=30

नोट :- (10+10+10) तीन आंतरिक मूल्यांकन में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 10 अंक उपस्थिति पर ।

निर्देश :-

1. उत्तर अपनी भाषा में अपेक्षित होंगे।
2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
3. प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा की एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

Core Course (MunCC-1)

➢ *सेमेस्टर-1* मुण्डारी भाषा का प्राचीन इतिहास *क्रेडिट-6*

MunCC - 1 : मुण्डारी भाषा का प्राचीन इतिहास

इकाई 1 : मुण्डारी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्भव, नामकरण, भिन्नताएँ, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

सहायक ग्रंथ :-

1. होड़ो जागार रेआ: एतेहाइसि नाङगाम ओड़ो हाराराना काब (कुतुइल : 1, 2, 3, 4, 5,7) : सं.स.अ.वि.दि. हंस
2. मुण्डा कोआ: इतिहास : ले. सागु हंस

Core Course (SanCC-1)

➢ *सेमेस्टर-1* संताली भाषा का प्राचीन इतिहास *क्रेडिट-6*

SanCC - 1 : संताली भाषा का प्राचीन इतिहास

इकाई 1 : संताली भाषा एवं लिपि की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्भव, नामकरण, भिन्नताएँ, विशेषताएँ ,समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

सहायक ग्रंथ :-

1. संताली भाषा साहित्य का उद्भव और विकास : डॉ. के. सी. टुडू
2. संताली साहित्येर इतिहास : धीरेन्द्र नाथ बास्के
3. संक्षिप्त संताली साहित्य : परिमल हेम्ब्रम

Core Course (HoCC-1)

➢ *सेमेस्टर-1* हो भाषा का प्राचीन इतिहास *क्रेडिट-6*

HoCC - 1 : हो भाषा का प्राचीन इतिहास

इकाई 1 : हो भाषा एवं लिपि की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्भव, नामकरण, भिन्नताएँ, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

सहायक ग्रंथ :-

1. हो भाषा और साहित्य का इतिहास : डॉ. आदित्य प्रसाद सिन्हा
2. हो भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन : डॉ. सरस्वती गागराई
3. लड़का कोल : एक परिचय : कमल लोचन कोड़ाह 'हो'
4. हो को ओन्डो: नेकोवअ: दिशुम : सामु चरण तुबिड
5. हो भाषा-साहित्य और आंदोलन का इतिहास : डोबरो बुड़िउलि
6. जनजातीय भाषाएँ और इसाई मिशनरी : नागेश्वर सिंह

नोट : (उत्तर हो भाषा में देवनागरी या व्हारङ क्षिति लिपि में अपेक्षित होंगे।)

Core Course (KhaCC-1)

➢ *सेमेस्टर-1* खड़िया भाषा का प्राचीन इतिहास *क्रेडिट-6*

KhaCC - 1 : खड़िया भाषा का प्राचीन इतिहास

इकाई 1 : खड़िया भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्भव, नामकरण, भिन्नताएँ, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

सहायक ग्रंथ :-

1. खड़िया साहित्य का इतिहास : एक अध्ययन (तृतीय अध्याय) : डॉ. अनिल वीरेन्द्र कुल्लु
2. खड़िया लोकगीतों में प्रकृति चित्रण (प्रथम अध्याय) : डॉ. लोरेंग टेटे
3. खड़िया लोक कथाओं का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन (प्रथम अध्याय) : डॉ. रोज केरकेट्टा

Core Course (Kux CC-1)

➢ *सेमेस्टर-1* — कुँड़ुख़ भाषा का प्राचीन इतिहास — *क्रेडिट-6*

KuxCC - 1 : कुँड़ुख़ भाषा का प्राचीन इतिहास

इकाई 1 : कुँड़ुख़ भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्‌भव, नामकरण, भिन्नताएँ, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

सहायक ग्रंथ :-

1. उराँव भाषा और साहित्य : जगदीश त्रिगुणायत
2. छोटानागपुर के उराँव रीति-रिवाज : डॉ. नारायण भगत
3. कुँड़ुख़ भाषा-साहित्य का उद्‌भव एवं विकास : महेश भगत
4. जनजातीय भाषाएँ और इसाई मिशनरी : नागेश्वर सिंह

Core Course (Nag CC-1)

➢ *सेमेस्टर-1* — नागपुरी भाषा का प्राचीन इतिहास — *क्रेडिट-6*

NagCC - 1 : नागपुरी भाषा का प्राचीन इतिहास

इकाई 1 : नागपुरी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्‌भव, नामकरण, भिन्नताएँ, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

सहायक ग्रंथ :-

1. नागपुरी भाषा और साहित्य : प्रो0 केशरी कुमार सिंह (पंचदश लोक भाषा निबंधावली - बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्)
2. नागपुरी भाषा और साहित्य : डॉ0 वी0पी0 केशरी
3. नागपुरी भाषा का उदभव और विकास : डॉ0 वी0पी0 केशरी
4. नागपुरी कवि और उनका साहित्य :
5. नागपुरी कर साहित्यिक निबंध : विद्योतमा निधि
6. नागपुरी शिष्ट साहित्य : डॉ0 श्रवण कुमार गोस्वामी

Core Course (Kur CC-1)

➢ *सेमेस्टर-1* कुरमाली भाषा का प्राचीन इतिहास *क्रेडिट-6*

KurCC - 1 : कुरमाली भाषा का प्राचीन इतिहास

इकाई 1 : कुरमाली भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्भव, नामकरण, भिन्नताएं, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

सहायक ग्रंथ :-

1. कुरमाली भाखिक इतिहास, रूप, चिस : खुदीराम महतो
2. कुरमाली साहित्य का इतिहास : डॉ. मंजय प्रमाणिक
3. कुरमाली साहित्य विविध संदर्भ : डॉ. एच.एन. सिंह

Core Course (PPG CC-1)

➢ *सेमेस्टर-1* पंचपरगनिया भाषा का प्राचीन इतिहास *क्रेडिट-6*

PPGCC - 1 : पंचपरगनिया भाषा का प्राचीन इतिहास

इकाई 1 : पंचपरगनिया भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्भव, नामकरण, भिन्नताएँ, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

सहायक ग्रंथ :-

1. पंचपरगनिया भाषा : ले. परमानंद महतो
2. पंचपरगनिया भाषा और साहित्य का इतिहास : डॉ. करमचन्द्र अहीर

Core Course (KhoCC-1)

➢ *सेमेस्टर-1* खोरठा भाषा का प्राचीन इतिहास *क्रेडिट-6*

KhoCC - 1 : खोरठा भाषा का प्राचीन इतिहास

इकाई 1 : खोरठा भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्भव, नामकरण, भिन्नताएँ, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ

सहायक ग्रंथ :-

1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्भव एवं विकास) : डॉ. बी.एन. ओहदार।
2. खोरठा भाषा विज्ञान : डॉ. ए.के.झा।

Core Course (CC-2)

अंक विभाजन :- पूर्णांक (70+30) = 100

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -	10 X 2 = 20
लघु उत्तरीय/ व्याख्यात्मक प्रश्न -	04 X 5 = 20
आलोचनात्मक प्रश्न -	10 X 3 = 30
कुल अंक	70
आंतरिक मूल्यांकन (10+10+10)	=30

नोट :- (10+10+10) तीन आंतरिक मूल्यांकन में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 10 अंक उपस्थिति पर ।

निर्देश :-

1. उत्तर अपनी भाषा में अपेक्षित होंगे।
2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
3. प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा की एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

Core Course (MunCC-2)

➢ *सेमेस्टर-1* **मुण्डारी के प्राचीन कवि और उनके काव्य** *क्रेडिट-6*

MunCC - 2 : प्राचीन कवि और उनके काव्य

इकाई 1 : प्राचीन कवियों का परिचय एवं कृतियाँ

राम, उदय, बुदु बाबू

सहायक ग्रंथ :-

1. बुदु बाबू और उनकी रचनाएँ : संपादक - डॉ. रामदयाल मुण्डा
2. हिसिर (राम मुण्डा: दुराङ को) : संपादक - डॉ. रामदयाल मुण्डा।

Core Course (SanCC-2)

➢ *सेमेस्टर-1* **संताली के प्राचीन कवि और उनके काव्य** *क्रेडिट-6*

SanCC - 2 : प्राचीन कवि और उनके काव्य

इकाई 1 : प्राचीन कवियों का परिचय एवं कृतियाँ

कवि - माँझी रामदास टुडू रेसका, पंडित रघुनाथ मुरमू, साधु रामचाँद मुरमू, सारदा प्रसाद किस्कू, डॉ. डोमन साहू समीर, गोरा चाँद टुडू, डोमन हाँसदा:, पावल जुझार सोरेन, नारायण सोरेन, नाथानियल हेम्ब्रम।

सहायक ग्रंथ :-

1. भुरका इपिल : सारदा प्रसाद किस्कू
2. लिटा गोडेत् : साधु रामचाँद मुरमू
3. आसाड़ बिनती : नारायण सोरेन तोड़ सुताम।

Core Course (HoCC-2)

➢ *सेमेस्टर-1* — **हो के प्राचीन कवि और उनके काव्य** — *क्रेडिट-6*

HoCC - 2 : **प्राचीन कवि और उनके काव्य**

इकाई 1 : प्राचीन कवियों का परिचय एवं कृतियाँ

कान्हुराम देवगम : 1. हो दुरंग पोथी

सतीश कुमार कोड़ा : 1. सतीश्यः रुमुल

सहायक ग्रंथ :-

1. हो दुरंग पोथी : कान्हुराम देवगम
2. सतीश्यः रुमुल : सतीश कुमार कोड़ा

नोट : (उत्तर हो भाषा में देवनागरी या व्हारङ क्षिति लिपि में अपेक्षित होंगे।)

Core Course (KhaCC-2)

➢ *सेमेस्टर-1* — **खड़िया के प्राचीन कवि और उनके काव्य** — *क्रेडिट-6*

KhaCC - 2 : **प्राचीन कवि और उनके काव्य**

इकाई 1 : प्राचीन कवियों का परिचय एवं कृतियाँ - प्यारा केरकेट्टा, सुलेमान कुल्लु, सामुएल बागे, नुवस केरकेट्टा।

सहायक ग्रंथ :-

1. प्यारा केरकेट्टा : डॉ. रोज केरकेट्टा
2. सामुएल बागे : डॉ. अनिल वीरेन्द्र कुल्लु
3. नुवस केरकेट्टा : डॉ. अनिल वीरेन्द्र कुल्लु
4. खड़िया साहित्य एवं साहित्यकार : चन्द्र किशोर केरकेट्टा

Core Course (KuxCC-2)

➢ *सेमेस्टर-1* — **कुँड़ुख़ के प्राचीन कवि और उनके काव्य** — *क्रेडिट-6*

KuxCC - 2 : **प्राचीन कवि और उनके काव्य**

इकाई 1 : प्राचीन कवियों का परिचय एवं कृतियाँ :
जतरा टाना भगत, डयडी भगत, दानहा भगत, विष्णु भगत, कँवरु भगत, नगमतिया भगत, कबीर पंथ साहित्य आदि।

इकाई 2 : कवि - भिखराम भगत, रामकुजूर भगत, तेजबहादूर भगत देवचरण भगत।

सहायक ग्रंथ :-

1. कुँड़ुख़ टाना : हरिवंश भगत
2. करम नेगडण्डी : मंगरा कुजूर
3. अराध्य देव वृक्ष करम : सरन उराँव
4. अद्दी धरम : देवचरण भगत

Core Course (NagCC-2)

➢ *सेमेस्टर-1* नागपुरी के प्राचीन कवि और उनके काव्य *क्रेडिट-6*

NagCC - 2 : प्राचीन कवि और उनके काव्य

इकाई 1 : प्राचीन कवियों का परिचय एवं कृतियाँ :
घासी राम, सोबरन, हनुमान सिंह, घनीराम बक्शी, कंचन, गौरंगिया

सहायक ग्रंथ :-

1. नागपुरी भाषा एवं साहित्य : डॉ0 वी0पी0 केशरी
2. नागपुरी कवि और उनका काव्य : डॉ0 वी0पी0 केशरी
3. नागपुरी कवि और उनकी कृतियाँ : डॉ0 त्रिवेणी नाथ साहु

Core Course (KurCC-2)

➢ *सेमेस्टर-1* कुरमाली के प्राचीन कवि और उनके काव्य *क्रेडिट-6*

KurmCC - 2 : प्राचीन कवि और उनके काव्य

इकाई 1 : प्राचीन कवियों का परिचय एवं कृतियाँ पाठ्य
कवि - बिनंद सिंह, बरजुराम ताँती, गौरांगिया, दुर्योधन दास, दीना ताँती, भवप्रीतानंद ओझा, उदय कर्मकार, रामकृष्ण गांगुली।

सहायक ग्रंथ :-

1. कुरमाली कृष्ण-काव्य परम्परा एवं वैशिष्ट्य : डॉ. विजय कुमार मुखर्जी
2. कुरमालि भासा साहित कर परमुख कबि आर साहितकार : डॉ. अशोक कुमार महतो

Core Course (PPGCC-2)

➢ *सेमेस्टर-1* पंचपरगनिया के प्राचीन कवि और उनके काव्य *क्रेडिट-6*

PPGCC - 2 : प्राचीन कवि और उनके काव्य

इकाई 1 : प्राचीन कवियों का परिचय एवं कृतियाँ पाठ्य कवि - विनद सिंह, बरजुराम ताँती, गौरांगिया, दीना ताँती, रामकृष्ट गांगुली, भवप्रीतानंद ओझा, उदय, रामा, हीरा, नरोत्तमा अचरज सिंह, डोमन हरि मछुवा, पागली, धुमसिंह।

सहायक ग्रंथ :-

1. पाँचपरगनाक साहित्यकार : डॉ. सविता कुमारी मुण्डा
2. प्राचीन कवि अर उनखर रचना : डॉ. पराग किशोर सिंह
3. रामकृष्टो केर गीत : अनुवादक - दीनबंधु महतो
4. झुमर संगीत : अनुवादक - बिनोद बिहारी
5. आदि झुमर संगीत : राजा बहादुर उपेन्द्रनाथ सिंह देव
6. जीवन डहर : एन्थोनी मुण्डा

Core Course (KhoCC-2)

➢ *सेमेस्टर-1* प्राचीन कवि और उनके काव्य *क्रेडिट-6*

KhoCC - 2 : प्राचीन कवि और उनके काव्य

इकाई 1 : प्राचीन कवियों का परिचय एवं कृतियाँ पाठ्य कवि -

राजा दलेल सिंह, राजा रूद्र प्रताप सिंह, पद्म दास, भव-प्रीतानन्द ओझा, तितकी राय, भुवनेश्वर दत्त शर्मा 'व्याकुल'।

सहायक ग्रंथ :-

1. खोरठा गइद-पइद संगरह : खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद्।
2. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्भव एवं विकास) : डॉ. बी.एन. ओहदार
3. खोरठा शिष्ट साहित्य : डॉ. अर्चना कुमारी

योग्यता संवर्द्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम

Ability Enhancement Compulsory Course(AECC-1)

(मुण्डारी, संताली, हो, खड़िया, कुँड़ुख़, नागपुरी, कुरमाली, पंचपरगनिया, खोरठा सभी भाषा के लिए)

अंक विभाजन :- पूर्णांक (70+30) = 100

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -	10 X 2 = 20
लघु उत्तरीय/ व्याख्यात्मक प्रश्न -	04 X 5 = 20
आलोचनात्मक प्रश्न -	10 X 3 = 30
कुल अंक	70
आंतरिक मूल्यांकन (10+10+10)	= 30

नोट :- (10+10+10) तीन आंतरिक मूल्यांकन में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 10 अंक उपस्थिति पर ।

निर्देश :- 1. उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
3. प्रत्येक इकाई से प्रश्नोत्तर अनिवार्य है।
4. प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा की एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

➢ *सेमेस्टर-1* **हिन्दी व्याकरण एवं सम्प्रेषण** *क्रेडिट-2*

AECC - 1 : **हिन्दी व्योकरण एवं सम्प्रेषण**

इकाई 1 : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय, उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास।

: पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ एवं संक्षेपण।

इकाई 2 : **संप्रेषण की अवधारणा और महत्व**

: संप्रेषण का माध्यम, संप्रेषण-कला, संवाद, सामूहिक चर्चा, विश्लेषण और व्याख्या, अनुवाद, समाचार वाचन, साक्षात्कार कला, रचनात्मक लेखन, विचारों की प्रस्तुति आदि।

सहायक ग्रंथ :-

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना : वासुदेव नन्दन प्रसाद
2. वृहत व्याकरण भास्कर : डॉ. वचनदेव कुमार
3. व्यावहारिक हिन्दी : डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय
4. रचनात्मक लेखन : डॉ. रमेश गौतम
5. सम्प्रेषणपरक हिन्दी भाषा शिक्षण : डॉ. वैश्ना नारंग

सामान्यीकृत चयन पाठ्यक्रम

Elective Generic Course (GEC-1)

(मुण्डारी, संताली, हो, खड़िया, कुँड़ुख़, नागपुरी, कुरमाली, पंचपरगनिया, खोरठा सभी भाषा के लिए)

अंक विभाजन :- पूर्णांक (70+30) = 100

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -	10 X 2 = 20
लघु उत्तरीय/ व्याख्यात्मक प्रश्न -	04 X 5 = 20
आलोचनात्मक प्रश्न -	10 X 3 = 30
कुल अंक	70
आंतरिक मूल्यांकन (10+10+10)	= 30

नोट :- (10+10+10) तीन आंतरिक मूल्यांकन में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 10 अंक उपस्थिति पर ।

निर्देश :-

1. उत्तर अपनी भाषा में अपेक्षित होंगे।
2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
3. यह पत्र एक ही इकाई का होगा।
4. प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा की एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

➢ *सेमेस्टर-1* **कला, साहित्य एवं संस्कृति** *क्रेडिट-6*

GEC - 1 : कला, साहित्य एवं संस्कृति

इकाई 1 : कला एवं साहित्य का अन्त: सम्बन्ध

: कला एवं समाज का अन्त: सम्बन्ध

: कला एवं संस्कृति का अन्त: सम्बन्ध

सहायक ग्रंथ :-

1. झारखण्ड की पारम्परिक कलाएँ	: डॉ. गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज'
2. कला	: हंस कुमार तिवारी
3. साहित्यालोचन	: डॉ. श्याम सुन्दर दास
4. कला विवेचन	: डॉ. विमल कुमार
5. तुलिका (झारखण्ड की जनजातीय चित्रकला)	: डॉ. आदित्य प्रसाद सिन्हा
6. मिंजूर झईल	: जुलियस कुल्लु
7. कुँड़ुख़ भाषा कला और संस्कृति	: जुलियस तिग्गा
8. मांदर का सुमधुर ताल	: मतियस टोप्पो
9. थाती	: कला संस्कृति विभाग, झारखण्ड सरकार।
10. खोरठा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन	: डॉ. विनोद कुमार
11. खोरठा लोक साहित्य	: शिवनाथ प्रमाणिक
12. सौंदर्य शास्त्र	: कुमार विमल आदि (भूमिका विशेष)
13. कला कोश	: अमरनाथ कपूर

प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम Core Course(CC) सेमेस्टर-2

अंक विभाजन :- पूर्णांक (70+30) = 100

वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10 X 2 = 20

लघु उत्तरीय/ व्याख्यात्मक प्रश्न - 04 X 5 = 20

आलोचनात्मक प्रश्न - 10 X 3 = 30

कुल अंक 70

आंतरिक मूल्यांकन (10+10+10) =30

नोट :- (10+10+10) तीन आंतरिक मूल्यांकन में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 10 अंक उपस्थिति पर ।

निर्देश :-

1. उत्तर अपनी भाषा में अपेक्षित होंगे।
2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
3. यह पत्र एक ही इकाई का होगा।
4. प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा की एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

Core Course (MunCC-3)

➢ *सेमेस्टर-2* मुण्डारी भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ *क्रेडिट-6*

MunCC - 3 : मुण्डारी भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ

इकाई 1 : साहित्यकारों का परिचय एवं उनकी कृतियाँ

काण्डे मुण्डा, दुलाय चन्द्र मुण्डा, डॉ. रामदयाल मुण्डा

सहायक ग्रंथ :-

1. हिसिर (उदय की सभी गीत) : संपादक - डॉ. रामदयाल मुण्डा
2. सासाङ बा (करम खण्ड) : काण्डे मुण्डा
3. सुड़ा-सांगेन (जदुर गीत सं. 5, 8, 12, 14, 16, 26, 28, 32 एवं ओर जदुर गीत सं - 33, 34, 35) : दुलाय चन्द्र मुण्डा

Core Course (SanCC-3)

➢ *सेमेस्टर-2* संताली भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ *क्रेडिट-6*

SatCC - 3 : संताली साहित्य के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ

इकाई 1 : प्रमुख साहित्यकार : आदित्य मित्र संताली, कृष्ण चन्द्र टुडू, हरिहर हाँसदा:, ठाकुर प्रसाद मुरमू, रघुनाथ टुडू, भाईया राम हाँसदा:, 'चासा', यशोदा मुरमू, जोबा मुरमू।

सहायक ग्रंथ :-

1. ओनोड़हें सेरेञ बिंडा : कृष्ण चन्द्र टुडू
2. तिरी : हरिहर हाँसदा:
3. गोरो बाहा : आदित्य मित्र संताली।

Core Course (HoCC-3)

➢ *सेमेस्टर-2* हो भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ *क्रेडिट-6*

HoCC - 3 : हो भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ

इकाई 1 : साहित्यकारों का परिचय एवं उनकी कृतियाँ

प्रो. बी.पी. पिंगुआ : 1. जयरा दिशुम 2. गुरु 3. लोयो

प्रो. डॉ. जानुम सिंह सोय : 1. एका लेबेया 2. कोरो:ए मोटो:ए 3. समागे

कमल लोचन कोड़ाह : 1. दोरोम तबु बुंअल तना 2. विद्दा एरा

डॉ. सरस्वती गागराई : 1. अञ सुंगल गे 2. बेरेड कमि सरण्डा कोरे 3. उड़ु: इडेम।

सुनाराम बानसिङ 'निरजला' : 1. चिमिन सुगड़ दिसुम तोरं! 2. बोंगा नेलो: चिलिका तोरं!

डोबरो बुड़ीउलि : 1. सिङदिशुम 2. सनङ सेसा अम: सनङ

डॉ. दमयंती सिंकु : 1. लको बोदरा 2. अबुआ झारखण्ड

डॉ. प्रदीप कुमार बोदरा : 1. गोमके राम दयाल मुण्डा

घनश्याम बोदरा : 1. ताँगि मेयाञ स्वर्ग कोरे

सहायक ग्रंथ :-

1. जयरा दिशुम	: प्रो. बी.पी.पिंगुआ
2. हरा संगेन भाग-1	: प्रो. डॉ. जानुम सिंह सोय
3. बिर बुरु बोंगा बुरु	: कमल लोचन कोड़ाह 'हो'
4. डॉ. सरस्वती गागराई	: सेंया सेतेङ
5. रिलामला	: सुनाराम बानसिङ 'निरजला'
6. कोल्हान दिशुम हो दुर	: सं. डोबरो बुड़ीउलि
7. हो दुरंग हिसिर	: सं. डॉ. दमयंती सिंकु
8. हो कविताओं का राष्ट्रीय स्वर	: सं. डॉ. प्रदीप कुमार बोदरा
9. ताँगि मेयाञ स्वर्ग कोरे	: घनश्याम बोदरा
10. बिड्दिरि	: ङ सरस्वती गागराई एवं जय किशोर मंगल

नोट :- (उत्तर हो भाषा में देवनागरी या व्हारङ क्षिति लिपि में अपेक्षित होंगे।)

Core Course (KhaCC-3)

➢ *सेमेस्टर-2* **खड़िया भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ** *क्रेडिट-6*

KhaCC - 3 : खड़िया भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ

इकाई 1 : प्रमुख साहित्यकार - प्यारा केरकेट्टा, जुलियस बा', पौलुस कुल्लु, नुवस केरकेट्टा, डॉ. रोज केरकेट्टा, डॉ. आर.पी. साहू, जुएल सोरेंग, फा. मतियस डुंगडुंग, डॉ. लोरेंग टेटे, डॉ. जोवाकिम डुँगडुँग एस.जे., मेरी एस. सोरेंग, डॉ. अनिल वीरेन्द्र कुल्लु, पतरस बा', डॉ. इग्नासिया टोप्पो, सामुएल बागे, फा. एफ्रेम बा', तेलेस्फोर इंदवार।

सहायक ग्रंथ :-

1. अबसिब मुरडअ	: डॉ. रोज केरकेट्टा
2. बु'धि या' सिमकोम	: मेरी एस. सोरेंग
3. सुरली कपली कोङताङ	: डॉ. जोवाकिम डुंगडुंग एस. जे.
4. अमगा अवनम	: लोरेंग टेटे
5. कोनजोगा	: वन्दना टेटे
6. खड़िया साहित्यकार	: डॉ. अनिल वीरेन्द्र कुल्लु
6. खड़िया साहित्य एवं साहित्यकार	: चन्द्र किशोर केरकेट्टा

Core Course (KuxCC-3)

➢ *सेमेस्टर-2* कुँड़ुख़ भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ *क्रेडिट-6*

KuxCC - 3 : कुँड़ुख़ भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ

इकाई 1 : प्रमुख साहित्यकार -: अहलाद तिर्की, पी.सी.बेक, प्रो. इन्द्रजीत उराँव, डॉ. निर्मल मिंज, फादर अलबिनुस मिंज, डॉ. हरि उराँव, डॉ. नारायण भगत, बसन्ती कुजूर, प्रो. चौठी उराँव, प्रो. महेश भगत, प्रो. महावीर उराँव।

सहायक ग्रंथ :-

1. पुना खेर : इन्द्रजीत उराँव
2. कुँड़ुख़ भाषा-साहित्य का उद्‌भव और विकास (जीवनी भाग) : महेश भगत
3. कुँड़ख़ हाष भाषी : फा. अलबिनुस मिंज
4. दव बिल्ली : बसन्ती कुजूर

Core Course (NagCC-3)

➢ *सेमेस्टर-2* नागपुरी भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ *क्रेडिट-6*

NagCC - 3 : नागपुरी भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ

इकाई 1 : प्रमुख साहित्यकार - प्रफुल्ल कुमार राय, डॉ0 वी0पी0 केशरी, लाल रण विजय नाथ साहदेव, शारदा प्रसाद शर्मा, सहनी उपेन्द्रपाल नहन, कृष्ण प्रसाद साहु कलाधर, डॉ0 कुमारी बासंती, नईमउद्दीन मिरदाहा, प्रमोद कुमार राय, डॉ0 गिरिधारी राम गौंझू।

सहायक ग्रंथ :-

1. नागपुरी भाषा एवं साहित्य : डॉ0 वी0पी0 केशरी
2. नागपुरी कवि और उनका काव्य : डॉ0 वी0पी0 केशरी
3. नागपुरी कवि और उनकी कृतियाँ : डॉ0 त्रिवेणी नाथ साहु
4. माटी बोइल उठलक (कविता संग्रह) : डॉ. खालिक अहमद

Core Course (KurCC-3)

➢ *सेमेस्टर-2* कुरमाली भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ *क्रेडिट-6*

KurCC - 3 : **कुरमाली भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ**

इकाई 1 : प्रमुख साहित्यकार - डॉ. मानसिंह महतो, महिपाल महतो, लखीकान्त महतो, केशव चन्द्र महतो, अनंत केसरिआर, सृष्टिधर सिंह डॉ. वृंदावन महतो, डॉ.पी.पी. महतो, आनंद खूँटदार, डॉ. अशोक कुमार महतो, डॉ. एच.एन.सिंह, डॉ. गीता कुमारी सिंह, डॉ. विजय कुमार मुखर्जी, भुवनेश्वर महतो, निताई चन्द्र महतो।

सहायक ग्रंथ :-

1. कुरमालि भासा साहित कर परमुख कवि आर साहितकार : डॉ. अशोक कुमार महतो
2. आधुनिक कुरमाली गीत (डुडुम) : (सं) डॉ. मंजय प्रमाणिक
3. आधुनिक कुरमाली कविता (दाफिन) : (सं) डॉ. मंजय प्रमाणिक
4. सृष्टिधरेक गीत : सं. डॉ. एच. एन. सिंह
5. महिपाल : सं. डॉ. एच. एन. सिंह
6. सपन आपन : अनंत कुमार महतो
7. फुरूंग : केशव चन्द्र महतो
8. कुड़मालि कवि आर काइब : निताई चन्द्र महतो

Core Course (PPGCC-3)

➢ *सेमेस्टर-2* पंचपरगनिया भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ *क्रेडिट-6*

PPGCC - 3 : **पंचपरगनिया भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ**

इकाई 1 : **प्रमुख साहित्यकार** - डॉ. करमचन्द्र अहीर, डॉ. रामदयाल मुण्डा, डॉ. चन्द्रमोहन महतो, परमानन्द महतो, राजकिशोर सिंह, संतोष साहू प्रीतम, सृष्टिधर महतो 'समीर' , दुखहरण नायक, राजकिशोर साहू, ज्योतिलाल महादानी, आशुतोष कोईरी, प्रो. दीनबंधु महतो, मनोहरलाल मुण्डा, निरंजन सिंह, रामजीवन सिंह मुण्डा, बंशीधर महतो, गोरेन्द्र नाथ गोंझू।

सहायक ग्रंथ :-

1. पाँचपरगनाक साहित्यकार : डॉ. सविता कुमारी मुण्डा

Core Course (KhoCC-3)

➢ *सेमेस्टर-2* खोरठा भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ *क्रेडिट-6*

KhoCC - 3 : **खोरठा भाषा के आधुनिक साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ**

इकाई 1 : प्रमुख साहित्यकार - श्रीनिवास पानुरी, ए.के.झा, शिवनाथ प्रमाणिक, श्यामसुन्दर महतो, डॉ. बी.एन.ओहदार, संतोष कुमार महतो, डॉ. विनोद कुमार, बंशीलाल 'बंशी', विश्वनाथ नागर, विश्वनाथ दसौंधी राज, सुकुमार, जनार्दन गोस्वामी 'व्यथित', कुमारी शशि।

सहायक ग्रंथ :-

1. खोरठा गइद-पइद संगरह : (प्रकाशक- खो ठा साहित्य, संस्कृति परिषद्)
2. खोरठा शिष्ट साहित्य : डॉ. अर्चना कुमारी।
3. खोरठा दर्पण : बंशीलाल 'वंशी'

Core Course (CC-4)

अंक विभाजन :- पूर्णांक (70+30) = 100

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -	10 X 2 = 20
लघु उत्तरीय/ व्याख्यात्मक प्रश्न -	04 X 5 = 20
आलोचनात्मक प्रश्न -	10 X 3 = 30
कुल अंक	70
आंतरिक मूल्यांकन (10+10+10)	= 30

नोट :- (10+10+10) तीन आंतरिक मूल्यांकन में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 10 अंक उपस्थिति पर ।

निर्देश :-

1. उत्तर अपनी भाषा में अपेक्षित होंगे।
2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
3. प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा की एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

Core Course (MunCC-4)

➢ *सेमेस्टर-2* मुण्डारी भाषा के साहित्य का इतिहास *क्रेडिट-6*

MunCC - 4 : **मुण्डारी भाषा के साहित्य का इतिहास**

इकाई 1 : मुण्डारी भाषा का गद्य साहित्य

: कहानी - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: नाटक - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: उपन्यास - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

सहायक ग्रंथ :-

1.मुण्डा कोआः इतिहास : सागु हंस

2.गुइराम (कुतुइल 1-4 तक) : काण्डे मुण्डा

Core Course (SanCC-4)

➢ *सेमेस्टर-2* — संताली भाषा के साहित्य का इतिहास — *क्रेडिट-6*

SanCC - 4 : संताली भाषा के साहित्य का इतिहास

इकाई 1 : संताली भाषा का गद्य साहित्य

: कहानी - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: नाटक - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: उपन्यास - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

सहायक ग्रंथ :-

1. बिदु चाँदान : पंडित रघुनाथ मुरमू
2. पे जोड़ काहनी : सोमानाथ बेसरा
3. आतो ओड़ाक् : डोमन हाँसदाः

Core Course (HoCC-4)

➢ *सेमेस्टर-2* — हो भाषा के साहित्य का इतिहास — *क्रेडिट-6*

HoCC - 4 : हो भाषा के साहित्य का इतिहास

इकाई 1 : हो भाषा का गद्य साहित्य

: कहानी - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: नाटक - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: उपन्यास - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

सहायक ग्रंथ :-

1. हो लोककथा एक अनुशीलन : डॉ. आदित्य प्रसाद सिन्हा
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र
3. हो साहित्य की विधाएँ : डॉ. सरस्वती गागराई एवं जय किशोर मंगल

नोट :- (उत्तर हो भाषा में देवनागरी या व्हारङ क्षिति लिपि में अपेक्षित होंगे।)

Core Course (KhaCC-4)

➢ *सेमेस्टर-2* — **खड़िया भाषा के साहित्य का इतिहास** — *क्रेडिट-6*

KhaCC - 4 : **खड़िया भाषा के साहित्य का इतिहास**

इकाई 1 : खड़िया भाषा का गद्य साहित्य

: कहानी - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: नाटक - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: उपन्यास - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

सहायक ग्रंथ :-

1. खड़िया शिष्ट साहित्य : डॉ. अनिल वीरेन्द्र कुल्लु
2. जुझइर डाँड़ (नाटक) : प्यारा केरकेट्टा।

Core Course (KuxCC-4)

➢ *सेमेस्टर-2* — **कुँड़ुख़ भाषा के साहित्य का इतिहास** — *क्रेडिट-6*

KuxCC - 4 : **कुँड़ुख़ भाषा के साहित्य का इतिहास**

इकाई 1 : कुँड़ुख़ भाषा का गद्य साहित्य

: कहानी - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: नाटक - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: उपन्यास - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

सहायक ग्रंथ :-

1. खीरी झरिया : महावीर उराँव
2. इन्नेलन्ता : इग्नेस कुजूर
3. अयंग जिया : पियुस लकड़ा
4. सिन्दरी : डॉ. नारायण भगत
5. इन्नेलन्ता एड़पा उरुवनी : डॉ. निर्मल मिंज

Core Course (NagCC-4)

➢ *सेमेस्टर-2* — **नागपुरी भाषा के साहित्य का इतिहास** — *क्रेडिट-6*

NagCC - 4 : **नागपुरी भाषा के साहित्य का इतिहास**

इकाई 1 : नागपुरी भाषा का गद्य साहित्य

: कहानी - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: नाटक - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: उपन्यास - उद्भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

सहायक ग्रंथ :-

1. साहित्य के तत्व एवं आयाम -डॉ0 वी0पी. केशरी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ0 नगेन्द्र
3.नागपुरी कर साहित्यिक निबंध - विद्योतमा निधि एवं ज्ञानोतम विधि

Core Course (KurCC-4)

➢ *सेमेस्टर-2* **कुरमाली भाषा के साहित्य का इतिहास** *क्रेडिट-6*

KurCC - 4 : **कुरमाली भाषा के साहित्य का इतिहास**

इकाई 1 : कुरमाली भाषा का गद्य साहित्य

: कहानी - उद्‌भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: नाटक - उद्‌भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: उपन्यास - उद्‌भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

सहायक ग्रंथ :-

1. कुरमाली साहित्य के विविध आयाम : डॉ. अशोक कुमार महतो
2. कुरमाली साहित्य : विविध संदर्भ : डॉ. एच.एन. सिंह
3. कुरमाली साहित्य का इतिहास : डॉ. मंजय प्रमाणिक
4. कुड़मालि छितराल साहित : डॉ. वृन्दावन महतो

Core Course (PPGCC-4)

➢ *सेमेस्टर-2* **पंचपरगनिया भाषा के साहित्य का इतिहास** *क्रेडिट-6*

PPGCC - 4 : **पंचपरगनिया भाषा के साहित्य का इतिहास**

इकाई 1 : पंचपरगनिया भाषा का गद्य साहित्य

: कहानी - उद्‌भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: नाटक - उद्‌भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: उपन्यास - उद्‌भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

सहायक ग्रंथ :-

1. पंचपरगनिया भाषा और साहित्य का इतिहास : डॉ. करमचन्द्र अहीर
2. पंचपरगनिया लोक कहनी : प्रो. दीनबंधु महतो
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र

Core Course (KhoCC-4)

➢ *सेमेस्टर-2* खोरठा भाषा के साहित्य का इतिहास *क्रेडिट-6*

KhoCC - 4 : खोरठा भाषा के साहित्य का इतिहास

इकाई 1 : खोरठा भाषा का गद्य साहित्य

: कहानी - उद्‌भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: नाटक - उद्‌भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

: उपन्यास - उद्‌भव, परिभाषा, तत्त्व, विशेषता

सहायक ग्रंथ :-

1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) : डॉ. बी. एन. ओहदार
2. खोरठा शिष्ट साहित्य : डॉ. अर्चना कुमारी

योग्यता संवर्द्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम

Ability Enhancement Compulsory Course(AECC-2)

(मुण्डारी, संताली, हो, खड़िया, कुँड़ुख़, नागपुरी, कुरमाली, पंचपरगनिया, खोरठा सभी भाषा के लिए)

अंक विभाजन :- पूर्णांक (70+30) = 100

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -	10 X 2 = 20
लघु उत्तरीय/ व्याख्यात्मक प्रश्न -	04 X 5 = 20
आलोचनात्मक प्रश्न -	10 X 3 = 30
कुल अंक	70
आंतरिक मूल्यांकन	(10+10+10) = 30

नोट :- (10+10+10) तीन आंतरिक मूल्यांकन में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 10 अंक उपस्थिति पर ।

निर्देश :-

1. उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।
2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
3. प्रत्येक इकाई से प्रश्नोत्तर अनिवार्य है।
4. प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा की एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

Ability Enhancement Compulsory Course(AECC-2)

➢ *सेमेस्टर-* 2 **पर्यावरण विज्ञान** *क्रेडिट-2*

AECC - 2 : **पर्यावरण विज्ञान**

इकाई 1 : पर्यावरण क्या है ?

: पर्यावरण और मानव जीवन ।

: पर्यावरण अध्ययन की उपादेयता

: पर्यावरण का क्षेत्र।

इकाई 2 : पर्यावरण संरक्षण - जातीय प्रयास, सामुदायिक प्रयास, सामाजिक प्रयास, सांस्कृतिक प्रयास, राजनीतिक एवं वैश्विक पर्यावरण संरक्षण।

सहायक ग्रंथ :-

1. पर्यावरण विकास और यथार्थ : ज्ञानेन्द्र रावत
2. मानव अधिकार और पर्यावरण संतुलन : डॉ. हरिमोहन
3. पर्यावरण-समस्या और समाधान : शिवानंद नौटियाल
4. पर्यावरण प्रदूषण : डॉ. गोपीनाथ तिवारी
5. पर्यावरण विमर्श : आई.एन.सिंह/बृजेश सिंह

सामान्यीकृत चयन पाठ्यक्रम

Elective Generic Course (GEC-2)

(मुण्डारी, संताली, हो, खड़िया, कुँड़ुख़, नागपुरी, कुरमाली, पंचपरगनिया, खोरठा सभी भाषा के लिए)

अंक विभाजन :- पूर्णांक (70+30) = 100

वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10 X 2 = 20

लघु उत्तरीय/ व्याख्यात्मक प्रश्न - 04 X 5 = 20

आलोचनात्मक प्रश्न - 10 X 3 = 30

कुल अंक 70

आंतरिक मूल्यांकन (10+10+10) = 30

नोट :- (10+10+10) तीन आंतरिक मूल्यांकन में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 10 अंक उपस्थिति पर ।

निर्देश :-

1. उत्तर अपनी भाषा में अपेक्षित होंगे।
2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
3. प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा की एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

Elective Generic Course (MundGEC-2)

➢ *सेमेस्टर-* 2 **पारम्परिक वाद्य यंत्र** *क्रेडिट-6*

MundGEC - 2 : **पारम्परिक वाद्य यंत्र**

इकाई 1 : बनावट, प्रकृति, आकार-प्रकार (मांदर, नगाड़ा, ढोल, रुतु, बनम, सेको:ए, करताल, चयोम, गिनी, सकोवाँ, घंटा, भेर, नरसिंघा, झांझ, ठेचका, रबका, टुहिला, ढाँक, गुगुरा)

सहायक ग्रंथ :-

1. झारखण्ड का लोकसंगीत : डॉ. गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज'
2. पंचपरगनाँक पारम्परिक बाज-बाजना : डॉ. सविता कुमारी मुण्डा
3. झारखंड इन्साइक्लोपीडिया, भाग-4 : रणेन्द्र कुमार
4. झारखंड के वाद्य यंत्र : डॉ. गिरिधारी राम गौंझू
5. सखुआ +थाती : कला-संस्कृति विभागीय स्मारिका

नोट :- पाठ्य सामग्री हेतु विभिन्न पुस्तकों, शोध आलेखों एवं पत्र-पत्रिकाओं का अध्ययन अपेक्षित।

Core Course (CC-5) सेमेस्टर -3

अंक विभाजन :- पूर्णांक (70+30) = 100

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -	10 X 2 = 20
लघु उत्तरीय/ व्याख्यात्मक प्रश्न -	04 X 5 = 20
आलोचनात्मक प्रश्न -	10 X 3 = 30
कुल अंक	70
आंतरिक मूल्यांकन (10+10+10)	= 30

नोट :- (10+10+10) तीन आंतरिक मूल्यांकन में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 10 अंक उपस्थिति पर ।